impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 12-Jan-2012 Edition : Delhi Page No.: 1 Page Name: Front Page Size: 171.72 sq. cm

Sector: Management and HR Consultancy Circulation: 110044 AVE: INR 32284.02 Frequency: Daily

Publication: Dainik Bhaskar Title: patrimony in young hands

News Monitored for: ISB

भारत का सबसे तेज बढ़ता अखबार
दैनिक भास्कर

युवा हाथों में विरासत

प्रो. कविल रामचंद्रन | हैदराबाद

देश की इकोनॉमी में बदलाव की शुरुआत 1991 में हुई। इस सफर को आगे बढ़ाया युवा कारोबारियों ने। अब इनके के एक नए दस्ते की आहट सुनाई देने लगी है। इनमें कई बड़े घरानों के वारिस हैं। उनका विजन इकोनॉमी और कंज्यूमर पैटर्न की जरूरतों के अनुरूप है। वे कारोबार के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं।

चाहे पांच पीढ़ी पुराने गोदरेज ग्रुप के पिरोजशाहों या दो पीढ़ी पुराने एचसीएल ग्रुप की रोशनी नडार। कारोबारी विरासत को संभालने वाले इन लोगों में दिलचस्प समानताएं और विभिन्नताएं हैं। गोदरेज ग्रुप की तेजी से बढ़ रही इंफ्रास्ट्रक्चर ब्रांच की अगुआई पिरोजशा कर रहे हैं तो शिव नडार की इकलौती बेटी रोशनी एचसीएल ग्रुप की शैक्षणिक गतिविधियों में दिलचस्पी लेती हैं।

इन युवा बिजनेस लीडर्स ने नॉलेज, ग्लोबल तौर-तरीकों, नजरिए और पेशेवर अंदाज के महत्व को समझते हुए विदेशों में प्रतिष्ठित कंपनियों में काम-काज के गुर सीखे। अजीम प्रेमजी के बेटे विप्रो स्ट्रेटजी के प्रमुख रिशद प्रेमजी भी इन्हीं में से एक हैं। युवाओं का यह समूह रिसोर्स पूल साबित होगा जो सोशियो इकोनॉमिक बदलाव की नई लहर पैदा करेगा। फ्यूचर ग्रुप के किशोर बियाणी की बेटी अश्नि बियाणी बचपन से ही नए तौर-तरीकों को देख रही हैं। कस्टमर को ध्यान में रखकर नए विचारों को आजमाने में उनकी भागीदारी को मिसाल के तौर पर रखा जा सकता है। युवा लीडरों की नई फसल विशाल और सफल संगठन चलाने के लिए बेहतर काबिलियत के लोगों के साथ काम करने के महत्व को समझती है। जैसे कि चेन्नई के नल्ली सिल्क ग्रुप की लावण्या नल्ली ने साड़ियों के कारोबार में कई बदलाव किए हैं। पिरामल ग्रुप की नंदिनी पिरामल और भारती ग्रुप के कविन मित्तल तरक्की के सपनों को साकार करने के लिए काबिल टीम बनाने की जरूरत से वाकिफ हैं। आर्सेलर मित्तल ग्रुप के सीईओ का पद तेजी से हासिल करने वाले आदित्य मित्तल ने यह सबक सीखा है। हाल के वर्षों में कई बड़े बिजनेस लीडर्स ने मानवशास्त्र और सामाजिक उद्यमिता में दिलचस्पी दिखाई है। इससे युवा पीढ़ी को सामाजिक प्रतिबद्धता और चिंताओं को व्यक्त करने का कैनवास मिला है। लिहाजा उनके पास देश के सामाजिक, आर्थिक विकास के सपने को पूरा करने का अवसर है।

नई सोच

- जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए कर रहे हैं कोशिशें
- लाखों युवाओं को नौकरियां, रोजगार के मौके दे रहे
- नए तौर तरीके-जैसे सिफारिशें बंद, मैरिट पर ही अवसर
- प्रोफेशनल अप्रोच, समाज को लौटाने की सोच
- घराने के बिजनेस से जुड़ने से पहले सख्त ट्रेनिंग

लेखक इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद में फेमिली बिजनेस एण्ड वैल्थ मैनेजमेंट के प्रोफेसर हैं। उन्होंने भारत में कारोबारी विरासत पर रिसर्च की है। कई बड़े समूह के एडवाइजर भी हैं।

© Dainik Bhaskar www.bhaskar.com